रविवार लखनऊ | 8 नवंबर 2015 अमर उजाला

कलाम विवि : कॉपियों का होगा ऑनलाइन मूल्यांकन

शुरुआत एमबीए, एमसीए, एमटेक, एमफार्मा व एमआर्क की परीक्षाओं से

अमर उजाला ब्यूरो

- विश्वविद्यालय की वित्त समिति में कई अहम मुद्दों पर फैसला
- सेशनल व प्रैक्टिकल शुल्क का भुगतान ऑनलाइन किया जा सकेगा

लखनऊ। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय में परीक्षा की कॉपियों का ऑनलाइन मूल्यांकन होगा। इससे मूल्यांकन में पारदर्शिता आएगी। विश्वविद्यालय में शनिवार को कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक की अध्यक्षता में हुई वित्त समिति की बैठक में इस पर सैद्धांतिक सहमति दे दी गई।

ऑनलाइन व्यवस्था होने से जांची गई कॉपियां स्टूडेंट्स को तुरंत दिखाई जा सकेंगी। पुनर्मूल्यांकन भी आसानी से हो सकेगा। बहरहाल यह व्यवस्था कई चरणों में लागू की जाएगी। शुरुआत एमबीए, एमसीए, एमटेक, एमफार्मा और एमआर्क की परीक्षाओं से होगी।

हाजिरी के नाम पर नहीं होगी वसूली : विश्वविद्यालय ने ईआरपी प्रणाली लागू करने का भी फैसला किया है। इस व्यवस्था से विश्वविद्यालय के सभी विभागों को कम्प्यूटराइजेशन कर उन्हें आपस में जोड़ा जा सकेगा। विभिन्न संस्थानों के छात्र-छात्राओं की बायोमेट्रिक उपस्थिति दर्ज की जा सकेगी। हर साल परीक्षा के समय कॉलेजों में छात्रों को कम उपस्थिति की बात कहते हुए परीक्षा से बाहर किया जाता है तो बवाल होता है। बहुत से छात्र आरोप लगाते हैं कि कॉलेज उनसे उपस्थिति के नाम पर अवैध वसूली करना चाहते हैं। जब बायोमेट्रिक रिपोर्ट विवि को मिलेगी तो कॉलेज ऐसा नहीं कर पाएंगे। इसके अलावा छात्रों के सेशनल व प्रैक्टिकल शुल्क का भुगतान ऑनलाइन किया जा सकेगा।

एडवांस स्टडी सेंटर व इंक्यूबेशन सेंटर पर भी रजामंदी

विश्वविद्यालय में एडवांस स्टडी सेंटर खोलने पर बैठक में रजामंदी बनी। एडवांस स्टडी सेंटर से पीजी के प्रोफेशनल कोर्स और शोध को बढ़ावा दिया जा सकेगा। वहीं सूबे के विभिन्न संस्थानों में इंक्यूबेशन सेंटर खोलने पर भी सहमति बनी। विश्वविद्यालय के नए परिसर के बाकी कामों को पूरा कराने के लिए 117 करोड़ रुपये के बजट को हरी झंडी दे दी गई। इससे भवनों को इस लायक बनाया जा सकेगा जिससे उनका आगामी सत्र में उपयोग हो सके। डॉ. कलाम स्मारक की स्थापना और प्रख्यात वैज्ञानिकों की मूर्तियां लगाने के साथ केंद्रीय पुस्तकालय का निर्माण भी कराया जाना है। इसके लिए 11.60 करोड़ के प्रस्ताव पर सैद्धांतिक सहमति दी गई है।

मेधावियों की छात्रवृत्ति हुई मंजूर

शुक्रवार को विश्वविद्यालय में हुई प्रतिभा प्रोत्साहन योजनाओं की बैठक में जिन योजनाओं पर निर्णय लिया गया था उन्हें भी वित्त समिति ने हरी झंडी दे दी। इसमें स्नातक व पीजी स्तर के कोर्स में टॉपर्स को प्रतिमाह छात्रवृत्ति दी जाएगी। वहीं आईएएस व आईईएस की प्रतियोगी परीक्षा में एक से 20 तक की मेरिट में नाम आने पर 21,000 रुपये दिया जाएंगे। राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने वाली टीमों को तैयारी के लिए 50 हजार रुपये देने, गरीब छात्रों को 30 हजार रुपये तक एकमुश्त देने व हॉस्टल फीस में 50 फीसदी छूट के प्रस्ताव को भी हरी झंडी दे गई। उत्तर प्रदेश वस्त्र प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर में हैंडलूम बुनकरों के लिए जिस कौशल विकास केंद्र की स्थापना होनी है उसका डीपीआर शासन को भेजने का फैसला किया गया।